SvastiHaste ! Namaste (Devi Stotram)

स्वस्ति-हस्ते ! नमस्ते (देवी-स्तोत्रम्)

Document Information

Text title : Svastihaste Namaste (Devi Stotram)

File name : svastihastenamaste.itx

Category : devii, durgA, panchaka, hkmeher

Location : doc_devii

Author : Harekrishna Meher meher.hk at gmail.com

Transliterated by : Harekrishna Meher

Proofread by : Harekrishna Meher

Description/comments : Stavarchana-Stavakam (Sanskrit Stotra-Kavya)

Acknowledge-Permission: Dr. Harekrishna Meher

Latest update : October 16, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 16, 2023

sanskritdocuments.org

स्वस्ति-हस्ते ! नमस्ते (देवी-स्तोत्रम्)

सम्मान्या स्वीय-नाम्ना महति जगति या दुर्गतेर्नाशयित्री
दैत्यानां दारयित्री दर-दुरित-कृतां चण्ड-मुण्डादि-हन्त्री ।
चण्डी वै खण्डिताघा प्रहरण-निवहैर्मण्डिताङ्गी प्रचण्डा
दुर्गे ! त्वं दुःख-दाहं कुरु भुवि कृपया लोक-कल्याणमार्गे ॥ १॥

आशीर्वादं प्रदेहि प्रणतजन-कृते सर्वदा शर्वजाया
रुद्राणी त्वं सुभद्रं वितर चिरदिनं शक्तिराद्या सुविद्या ।
नित्या कात्यायनी त्वं दह कलि-कलुषं कालिका कालरूपा
मूर्त्तिस्ते सौम्य-भीमा तिरयतु नितरां भीतिमातङ्कजालम् ॥ २॥

सिंहासीना सुहासा विदलित-महिषा दिव्यभासा विभान्ती
मह्यां मोहादि-हन्त्री गणपति-जननी मोहिनी माननीया ।
मन्दारैर्मोदयन्ती रुचिर-हिमगिरेर्नन्दिनी स्कन्दमाता
वन्द्या गीर्वाण-वृन्दैर्हर हर-दयिते ! स्वान्त-सन्तापजातम् ॥ ३॥

हिंसा-द्वेषादि-वैरं क्षपयतु नियतं तेऽनुकम्पा प्रकामं
भक्ति-प्रेम-प्रसूनं प्रवितरतु जने स्वस्ति-हस्ते ! नमस्ते ।
सौहार्दं हास्य-मोदं प्रदिशतु करुणा पावनी तावकीना
मध्येविश्वं सुराध्यं प्रसरतु सरसं साम्मनस्यं प्रशस्यम् ॥ ४॥

सौन्दर्यानन्द-धात्री त्वमिह सुमहिता वन्दनीया वदान्या
हे मातः ! प्रार्थनेयं विनय-समुदिता पाद-पद्मे त्वदीये ।
सर्वान् दोषान् क्षमस्व प्रशमय सदयं वेदना-दैन्य-भारं
बुद्धिर्विद्या समृद्धिर्विलसतु सबलं सादरं ते प्रसादैः ॥ ५॥

इति “स्वस्ति-हस्ते ! नमस्ते” नाम देवीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

– रचयिता : डॉ हरेकृष्ण-मेहेरः

Copyright Dr.Harekrishna Meher

SvastiHaste ! Namaste (Devi Stotram)

pdf was typeset on October 16, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*